2023

HINDI

B.A. Fifth Semester End Examination - 2023

PAPER - CC12T

Full Marks : 60 *Time : 3 hours*

The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
Illustrate the answers wherever necessary.

1. किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

क) सरदार पूर्णसिंह किस युग के निबंधकार थें? उस युग के एक अन्य निबंधकार का नाम बताइए।

ख) रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म कब एवं कहाँ हुआ था?

ग) 'देवदारु' किस प्रकार का निबंध है? अपने पाठ्यक्रम में शामिल उस प्रकार के एक अन्य निबंध का नाम बताइए।

घ) 'ये हैं प्रोफेसर शशांक' किनकी लिखी हुई किस प्रकार की रचना है ?

ङ) 'करुणा' किस प्रकार का निबंध है ? करुणा के मूल में कौन-सा भाव रहता है ?

च) 'तुम्हारी स्मृति' के लेखक कौन हैं ? उन्होंने किनकी स्मृति में लिखा है ?

छ) शिवपूजन सहाय किस युग के लेखक थे ? उनकी कौन-सी कहानी बहुत प्रसिद्ध हुई ?

ज) 'मेरे राम का मकुट भीग रहा है' निबंध के लेखक कौन हैं ? उनकी बेचैनी का कारण क्या था ?

झ) "मेरे लिए यह रूप-रंग सचमुच अजीब था"—यह वाक्य किसने, किसके लिए कहा ?

ञ) मजदूरी और फकीरी का महत्व बताइए।

ट) "उसे ऋषि कहा जाता है"–यह बात किसने, किसके लिए कही ?

ठ) आचार्य शिवपूजन सहाय के अनुसार महाकवि जयशंकर प्रसाद की दुकान पर जो लेखक आते थें, उनमें किन्हीं दो के नाम बताइए।

ड) सरदार पूर्णसिंह ने किन लोगों को स्वभाव से ही साधु कहा है ?

ढ) "हँसी की तरह उनकी आवाज भी बुलंद है"–यह बात किसने, किसके लिए कही है ?

ण) "पर उपकार सरिस न भलाई। पर-पीड़ा सम नहिं अधमाई"—यह किनकी उक्ति है ? किस निबंधकार ने अपने निबंध में इस उक्ति को उद्धृत किया है ?

2. किन्हीं चार गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 4×5=20

क) इनका जीवन बर्फ की पवित्रता से पूर्ण और वन की सुंगधि से सुगंधित है। इनके मुख, शरीर और अंत:करण सफेद। इनकी बर्फ, पर्वत और भेड़ें सुफेद। अपनी सुफेद भेड़ों में यह परिवार शुद्ध-सुफेद ईश्वर के दर्शन करता है।

ख) मेरे गाँव में लड़कियों की कमी नहीं, किंतु न उनकी यह वेशभूषा न यह रंग-रूप। मेरे गाँव की लड़कियाँ कानों मे बालियाँ कहाँ डालतीं और भर बाँह की कमीज भी उन्हें कभी नहीं पहने देखा और गोरे चेहरे तो मिले हैं, किंतु इसकी आँखो में जो एक अजीब किस्म का नीलापन दीखता, वह कहाँ ?

ग) कैसी शान है, गुरुत्वाकर्षण के जड़-वेग को अभिभूत करने की कैसी स्पर्द्धा है — प्राण के आवेश की कैसी उल्लासकर अभिव्यक्ति है। देवताओं का दुलारा पेड़ नहीं तो यह क्या है ?

घ) दु:ख की श्रेणी में प्रवृत्ति के विचार से करुणा का उल्टा क्रोध है। क्रोध जिसके प्रति उत्पन्न होता हैं, उसकी हानि की चेष्टा की जाती है। करुणा जिसके प्रति उत्पन्न होती है, उसकी भलाई का उद्योग किया जाता है।

ङ) मोरे राम के भीजै मुकुटता

लछिमन के पटुकवा

मोरी सीता के भीजै सेनुरवा

त राम घर लौटहिं।

च) वैदिक ऋचाएँ और उपनिषदों के लच्छेदार वाक्य तो उन्हें कंठस्थ थे ही, संस्कृत महाकवियों ने किस शब्द का कहाँ किस अर्थ में कैसा चमत्कारपूर्ण प्रयोग किया है, इसको भी वे सोदाहरण उपस्थित करते चलते थे।

छ) अब यह दूसरी बात है कि आज के युग में 'भले आदमी' की संज्ञा उन्हीं को दी जाती है, जो 'काम' बनाना न जानते हों। और जो अपना ही काम न बना पाते हों, वे दूसरों का काम भला क्या बतायेंगे ?

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10=20

क) 'मजदूरी और प्रेम' निबंध का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

ख) 'देवदारु' निबंध में व्यक्त लेखक के विचारों की अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

ग) 'दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के आधार पर नवीन जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

घ) ''मेरे राम का मुकुट भींग रहा है'' निबंध की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।